Am – मरियम इलीशिबा के यहाँ गई लूका १: ३९-४५ | 1

– Save This Page as a PDF–

मरियम इलीशिबा के यहाँ गई

लूका १: ३९-४५

खुदाई : मरियम ने कैसा महसूस किया होगा जब उसकी रिश्तेदार इलीशिबा ने उसे इस तरह बधाई दी? मरियम के बारे में क्या आश्चर्य हुआ? मरियम को कैसे आशीर्वाद दिया गया और प्रोत्साहित किया गया?

प्रतिबिंबित : जब आप साझा करने के लिए विशेष समाचार रखते हैं तो आप पहले किससे बताते हैं? मरियम का विश्वास आपके लिए एक नमूने के रूप में कैसे काम करता है? क्या ईश्वर ने कभी आपको किसी को अपनी खुशी को असंभव में साझा करने या उस अनोखी जगह को समझने के लिए प्रदान किया है जिस जगह आप स्वयं को पाते हैं? यह आपको कैसे प्रभावित करता है? क्या अदोनाय आप का उपयोग कर सकते हैं या वह व्यक्ति कोई और हो सकता हैl

कुछ दिनों के बाद, मरियम ने शायद अपने रिश्तेदार इलीशिबा से मिलने की अनुमति मांगी थी। उसकी मां ने सबसे अधिक संभावना सोचा कि यह भक्ति का स्पर्श करने वाला संकेत था, और उसे दक्षिण में यहूदिय के लिए यात्रा करने वाले अन्य लोगों के साथ भेज दिया। युवा कुंवारी ने अपने रहस्य के बारे में कुछ भी नहीं बताया। उस समय मरियम ने गलील छोड़ दिया, तैयार हुई और यहूदिया के पहाड़ी देश में एक शहर में जल्दी से चली गयी (लूका १:३९)। वह जिब्राईल के संदेश के प्रति आज्ञाकारी थी (लूका १:३६)। यहूदिया नासरत के दक्षिण में लगभग १०० मील की दूरी पर था, और यात्रा के उस समय के तरीके के अनुसार चार या पांच दिन की यात्रा होगी। जब वह वहां पहुंची, तो उसने जकर्याह के घर में प्रवेश किया और इलीशिबा को बधाई दी (लूका १:४०)।

इलीशिबा एक उल्लेखनीय व्यक्तित्व की थी। उसे विश्वास था कि उसके पति जकर्याह ने नहीं बताया था। इलीशिबा ने स्वतंत्रता से बात की और मरियम को प्रोत्साहित किया, जबकि जकर्याह अविश्वास की वजह से गूंगा था। इलीशिबा भूरे बालों और झुर्रियों वाली थी, मरियम की तुलना में बहुत बूढ़ी थी, और उसने कई वर्षों तक सभास्थल में एक बच्चे के लिए परमेश्वर से प्रार्थना की थी। इलीशिबा का पति एक पुजारी था जिसे पुजारी के रीति-रिवाज के अनुसार, यहोवा के मंदिर में जाने और धूप जलाने के लिए चुना गया था (लूका १:९)। वह अपनी पत्नी से प्यार करता था और उसकी बांझपन की पीड़ा को समझता था। एक बच्चे को सहन करने में सक्षम होने का जो आनंद मिलेगा, उसे नुकसान पहुंचाने के अलावा, बांझपन को समुदाय द्वारा पाप के लिए अदोनाय की सजा के रूप में भी देखा गया था। उसने भी एक बच्चे के लिए बार-बार प्रार्थना की थी।

Am – मरियम इलीशिबा के यहाँ गई लूका १: ३९-४५ | 2



जैसे ही मरियम अपने मार्ग पर थी, और इलीशिबा
शायद दरवाजे पर खड़ी थी। ऐसा लगता था कि उसे मरियम के अपने घर आने की उम्मीद की थी। इलीशिबा बूढ़ी महिला ने मरियम की आवाज़ पर तत्काल प्रतिक्रिया की और उन सभी चीजों की तत्काल पुष्टि की जो दूत ने उसे बताया था। जब इलीशिबा ने मरियम के अभिवादन को सुना, अचानक बच्चा उसके गर्भ में उछला, और इलीशिबा पवित्र आत्मा से भर गई (लूका १:४१)। गर्भपात के खिलाफ यह एक और अच्छ पद है। जो मां के गर्भ में है उसे पवित्रशास्त्र में एक व्यक्ति माना जाता है। जबकि यूहन्ना सर्वोच्च का एक भविष्यद्वक्ता होगा (ल्यूक १:७६), यीशु सर्वोच्च का पुत्र है (लूका १:३२)। जबकि यूहन्ना का जन्म एक बाँझ महिला के द्वारा जन्म वास्तव में चमत्कारी था, यीशु का कुंवारी के द्वारा एक बे-मिसाल जन्म था, और है।

जकर्याह से क्या वादा किया गया था (लूका १:१५) जो पूरा हुआ था। यूहन्ना और इलीशिबा अपने जन्म से पहले से ही रुच हाकोदेश से भरे थे। वे महसूस करने वाले पहले व्यक्ति थे कि मरियम का बच्चा मेशियाख़ था। अग्रदूत होने के नाते इलीशिबा में पहले से ही वह कार्य कर रहा था जिस पर वह पैदा हुआ था।

फिर मरियम पर एक विशेष आशीर्वाद था क्योंकि वह दूत के संदेश पर विश्वास करती थी, जबकि इलीशिबा के पति, जकर्याह ने विश्वास नहीं किया था, और इसके परिणामस्वरूप वह अजीब मूक बन गया था। एक बड़ी आवाज़ में इलीशिबा चिल्लाई : आप महिलाओं में धन्य हैं (लूका १:४२ ए)। ध्यान दें कि मरियम सभी महिलाओं के बीच धन्य थी, सभी महिलाओं से ऊपर नहीं। और धन्य है वह बालक जो आप के गर्भ में है, सचमुच, आपके गर्भ का फल (लूका १:४२ बी, उत्पत्ति ३०:२ भी देखें; विलाप गीत २:२०)! दूसरे शब्दों में, मसीहा के जन्म का आश्वासन दिया गया था। मरियम को वहीँ रुक जाना चाहिए था। वह शायद ही इस पर विश्वास कर सकती थी। वह बात नहीं कर सकी होगी। कि इलीशिबा जानती थी! इलीशिबा रहस्य को जानती थी!

इलीशिबा ने शायद अपनी आंखों से आँसू पोंछ दिए और मुस्कुराने की कोशिश की। लेकिन मुझ पर इतना अनुग्रह क्यों हुआ कि मेरे प्रभु की मां मेरे पास आई है। जैसे ही उसके अभिवादन की आवाज मेरे कानों तक पहुंची, मेरे गर्भ में बच्चा खुशी से उछल पड़ा। धन्य है वह जिसने विश्वास किया कि अदोनाय उसके प्रति अपने वादे पूरे करेगा (लूका १:४३-४५)! इलीशिबा एक उल्लेखनीय व्यक्तित्व की थी। वह एक धर्मी महिला थी, और अपने पति की तरह, उनके दिनों के यहूदी विश्वासियों के अवशेष का हिस्सा थी। तब

Am – मरियम इलीशिबा के यहाँ गई लूका १: ३९-४५ | 3

उसने मरियम को प्रोत्साहित किया क्योंकि वह कई वर्षों से परमेश्वर के साथ चल रही थी। इलीशिबा ने मरियम को आश्वासन दिया कि वास्तव में स्वर्गदूत जिब्राईल ने उसे संदेश सुनाया होगा।

जब इलीशिबा ने कहा कि, उसने अपने दिमाग से सभी संदेह मिटा दिए। मरियम को कोई संदेह नहीं था। उसने जिब्राईल के शब्दों पर विश्वास किया था, लेकिन वह खुद को यह समझाने में असमर्थ थी कि वह पृथ्वी पर की सभी महिलाओं में से एक थी, जिसे सर्वोच्च के पुत्र को पैदा करने के लिए चुना गया था। लेकिन अब वह आश्वस्त थी। अब वह भविष्यवाणी से खुद को अलग करने की कोशिश नहीं कर रही थी। उसने रहस्य के बारे में किसी को भी नहीं बताया था, और इलीशिबा न केवल इसके बारे में जानती थी, परन्तु उसकी गर्भावस्था ठीक उसी तरह की थी जैसा कि स्वर्गदूत ने कहा था कि ऐसा होगा।